अध्याय–21

लकी जब बीमार पड़ा

7HY2BI

लकी कई दिनों के बाद आज स्कूल आया। शिफा उसे देखकर बोली ''लकी क्या बात है? तुम बहुत दुबले–पतले कमजोर लग रहे हो।'' लकी ने बताया कि उसे मलेरिया हो गया था।

आदिल और उसके अन्य साथियों को यह समझ में नहीं आया कि यह मलेरिया क्या होता है। सभी ने सोचा ''क्यों न चलकर गुरुजी से पूछा जाए ''।

शिफा ने अपने गुरुजी से पूछा– ''गुरू जी, मलेरिया क्या है और कैसे पता चलता है कि किसी को मलेरिया हो गया है?''

गुरुजी– ''क्यों न पहले हम लोग लकी से ही पूछें कि उसे कैसे पता चला? ''

लकी ने बताया–''शुरू में मुझे ठण्ड लगी और कँपकँपी आई। सिरदर्द भी हुआ। फिर तेज बुखार चढ़ा, कुछ समय बाद पसीना आया और बुखार कम हो गया।''

गुरुजी – ''लकी, इस तरह के लक्षण तो कुछ अन्य बीमारियों के भी हो सकते हैं फिर तुम्हें कैसे पता चला कि तुम्हें मलेरिया ही हुआ है?''

लकी– ''मेरी माँ जब मुझे डॉक्टर के पास ले गई तब डॉक्टर ने बताया कि इन लक्षणों से मलेरिया होने की आंशका लगती है। और अभी मेरे पास मलेरिया के कई मरीज भी आ रहे हैं। इसके खून की जाँच के बाद ही हम किसी नतीजे पर पहुँच पाएँगे।

मेरे खून की जाँच की गई। जाँच के बाद डॉक्टर ने बताया कि मुझे मलेरिया हो गया है। यह एक संक्रामक रोग है। दवा खाने पर ठीक हो जाएगा।

मैंने नियमित रूप से दवा खायी तब जा कर ठीक हुआ।

सोनी– ''गुरुजी संक्रामक रोग क्या होता है?''

गुरुजी– ''जो रोग एक रोगी व्यक्ति से किसी भी माध्यम के द्वारा स्वस्थ व्यक्ति तक पहुँचते हैं उन्हें संक्रामक रोग कहा जाता है।''

रमेश– ''ये संक्रामक रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक कैसे पहुँचते हैं?''

गुरुजी– ''ये रोग वायु से, किसी रोगी व्यक्ति के सम्पर्क में आने से, दूषित भोजन या जल से, कीड़े–मकोड़े के काटने से या उनसे हमारा भोजन या जल दूषित हो जाए तो एक से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हैं।''

सोनी– ''गुरु जी, मलेरिया फैलता कैसे है?''

शिफा– ''मैंने दीवारों पर लगे पोस्टरों में पढ़ा है कि मलेरिया से बचने के लिए हमें मच्छरों से बचना चाहिए।''

बताइए

संक्रामक रोग क्या है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

संक्रामक रोग एक आदमी से दूसरे आदमी तक कैसे पहुँचते है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

गुरुजी– ''बिल्कुल ठीक मच्छर से बचना जरूरी है नहीं तो अन्य कई रोग भी हो सकते है।

जैसे कि– डेंगू, फाइलेरिया, चिकनगुनिया इत्यादि।

राहुल – ''गुरुजी हमारे घर के सामने वाली सड़क पर कई सारे गड्ढें है। मैंने उनमें बहुत सारे मच्छरों को देखा है।''

बताइए–

क्या आपने ऐसी जगहें देखी हैं जहाँ पानी ज्यादा दिन तक इकट्ठा रहता है और फिर वहाँ मच्छर हो जाते हैं ऐसी जगहों के नाम लिखिए।

_____

_____

_____

ऐसी जगहों पर पानी इकट्ठा न हो उसके लिए आप क्या करेंगे?

_____

_____

रवि– ''इसका मतलब है मच्छरों से फैलने वाले रोग से बचने के लिए हमें यह ध्यान रखना चाहिये कि पानी ज्यादा दिनों तक जमा न हो। सोने के समय मच्छरदानी का प्रयोग भी किया जाना चाहिए।''

शिक्षक– साथ ही मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। धुआँ करके मच्छर भगने से या जहाँ पानी जमा हो वहाँ मिट्टी का तेल डालने से मच्छरों से फैलने वाले अन्य बीमारियों से भी बचा जा सकता है।

नेहा– ''अच्छा जिस तरह से पानी को एक जगह इकट्ठा होने से रोककर मच्छरों से बचा जा सकता है क्या अन्य रोगो से बचने के कोई उपाय हैं?

गुरुजी– ''हाँ नेहा, हर रोग से बचने के लिए ताजा भोजन करना व उबला पानी पीना जरूरी है। साथ ही अपने घर एवं आस–पड़ोस की स्वच्छता का भी खास ध्यान रखना जरूरी है।

इससे डायरिया, कॉलेरा खाँसी, खुजली आदि संक्रामक रोगों से बचा जा सकता है।

बताइए–

कौन–कौन सा रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को हो जाता है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

ये रोग कैसे फैलते हैं? लिखिए।

1 डायरिया ———————————————————————————

2 खाँसी ———————————————————————————

डायरिया होने पर हम कौनसा प्राथमिक उपचार दे सकते है। अपने स्वास्थ्यकर्मी से पूछ कर लिखिए–

———————————————————————————————

आप अपने साथियों को स्वास्थ्य के प्रति कैसे जागरूक करेंगे? अपने विचार लिखिए–

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

जब कोई बीमार हो तो आप उनकी क्या मदद करेंगे?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

कोई भी बीमारी से बचने के लिए क्या करना चाहिए?

———————————————————————————————

———————————————————————————————